Date – 17/07/2020

Dr. Sanehlata
Asst. Professor (Guest faculty)
Dept. of Philosophy
Women's College, Samastipur
Email Id. – Snehababli 1987 @ gmail.com
Cont. no. – 8409587640

Class – B.A. – II (Hons.)

Topic – Objective questions – Descartes

Scanned with CamScanner

वस्तुनिष्ठ प्रश्न - डेकार्ट

(1) निम्नलिखित में से कौन बुद्धिवादी है?
(a) बर्कले (b) डेकार्ट (c) काण्ट (d) लॉक

(2) डेकार्ट के अनुसार निम्नलिखित में से कौन सही नहीं है?
(a) विस्तार का प्रत्यय जन्मजात है
(b) आत्मा विस्तारहीन है
(c) जगत् में केवल विस्तार है, गति नहीं है
(d) पक्षी, पशु, कीटाणु सभी पूर्णतया यांत्रिक है

(3) निम्नलिखित में से कौन-सा मत डेकार्ट को मान्य है?
(a) मन तथा शरीर दो द्रव्य हैं, जिनकी परस्पर स्वतंत्रता है
(b) ईश्वर एकमात्र द्रव्य है तथा मन एवं जड़तत्व इसके गुण है
(c) मन एकमात्र द्रव्य है तथा जड़तत्व मात्र एक कल्पना है
(d) जड़तत्व एकमात्र द्रव्य है तथा मन इसके अस्तित्व का एक पर्याय है।

(4) निम्नलिखित में डेकार्ट किसे मानता है?
(a) आत्मा अद्वितीय है
(b) आत्मा में अनेक आत्माएँ होती है
(c) आत्मा की केवल विकिय अवस्थाएँ है
(d) आत्मा की केवल सक्रिय अवस्थाएँ होती है।

(5) निम्नलिखित में से कौन-सा डेकार्ट के अनुसार जगत् की वास्तविकता का आधार है?
(a) प्रत्यक्ष की स्पष्टता एवं सुस्पष्टता
(b) प्रतिज्ञ बोध
(c) ईश्वर की सत्यनिष्ठा
(d) निगमन

Scanned with CamScanner

(6) निम्नलिखित में से किसने मन और शरीर के सम्बन्ध की व्याख्या करने के लिए "क्रिया-प्रतिक्रियावाद" के सिद्धान्त को स्वीकार किया है?

(a) डेकार्ट (b) स्पिनोजा
(c) लाइबनित्ज (d) लॉक

(7) "डेकार्ट के अनुसार ईश्वर की सत्ता अनिवार्यत: है, क्योंकि मेरे मन में पूर्व विद्यमान पूर्ण सत्ता के प्रत्यय का कारण ईश्वर है।"
ईश्वर की सत्ता के लिए उपरोक्त उक्ति है

(a) कारणमूलक (b) प्रत्यय-सत्तामूलक
(c) प्रयोजनमूलक (d) विश्वकारणमूलक

(8) डेकार्ट के अनुसार निम्नलिखित में से कौन-सा सही नहीं है?

(a) मैं और मेरा शरीर एक है।
(b) मैं विचार करने वाला प्राणी हूं।
(c) मेरे सोचने से मेरा अस्तित्व सिद्ध होता है।
(d) मुझे ईश्वर का जन्मजात प्रत्यय है।

(9) निम्नलिखित में से किसे डेकार्ट के साथ नहीं जोड़ा जा सकता?

(a) द्वैतवाद (b) अन्त:क्रियावाद (c) अनुभववाद
(d) संदेह की विधि

(10) ईश्वर के अस्तित्व के लिए निम्नलिखित प्रमाणों में से कौन डेकार्ट द्वारा प्रयुक्त नहीं है?

(a) कारणतामूलक (b) सत्तामूलक
(c) सृष्टिमूलक (d) नैतिक

Scanned with CamScanner

(11) डेकार्ट ने अपने दार्शनिक पद्धति के विषय का ..... में अन्वेषण किया है।

(a) दार्शनिक पद्धति पर विमर्श (b) द पैशन्स ऑफ द सोल
(c) द मेडिटेशन्स (d) इनमें से कोई नहीं

(12) डेकार्ट है

(a) संशयवादी (b) बुद्धिवादी और प्रत्ययवादी
(c) बुद्धिवादी और वस्तुवादी (d) बहुतत्ववादी

(13) निम्नलिखित में से डेकार्ट के अनुसार द्रव्य की कौन सी परिभाषा सही है?

(a) द्रव्य वह है जो स्वयं सक्रिय है
(b) द्रव्य वह है जो स्वयं पर आश्रित है
(c) द्रव्य वह है जो स्वयं प्रकाशमान है
(d) नैतिकता के व्यवस्थापक के रूप में ईश्वर सिद्ध होते हैं।

(14) डेकार्ट के अनुसार निम्नलिखित में से कौन ईश्वर के अस्तित्व के लिए सत्तामूलक तर्क है?

(a) विश्व के स्रष्टा के रूप में ईश्वर सिद्ध होता है।
(b) ईश्वर के विचार मात्र से ईश्वर सिद्ध होता है।
(c) जगत् के उपादान कारण के रूप में ईश्वर सिद्ध होता है।
(d) नैतिकता के व्यवस्थापक के रूप में ईश्वर सिद्ध होता है।

(15) डेकार्ट के अनुसार

(a) ईश्वर विश्वव्यापी है (b) ईश्वर विश्वातीत है
(c) 'a' और 'b' दोनों (d) उपरोक्त में से कोई नहीं

(16) निम्नलिखित में से कौन-सी डेकार्ट के दर्शन की सही विशेषता है?

(a) बुद्धिवाद, प्रागनुभविकवाद, द्वैतवाद (b) बुद्धिवाद, प्रत्ययवाद, हठवाद
(c) प्रत्ययवाद, हठवाद, प्रागनुभविकवाद (d) सन्देहवाद, प्रत्ययवाद, हठवाद

Scanned with CamScanner

(17) डेकार्ट के निम्नलिखित कथनों में से कौन-सा एक सही है?

(a) ईश्वर केवल परम सत्य द्रव्य है, जबकि पुद्गल और मन ईश्वर द्वारा अस्तित्व में लाए गए दो अन्य उपादान हैं

(b) ईश्वर परम द्रव्य है, जबकि मन उससे कम परम द्रव्य है, जो ईश्वर से न्यूनतर अर्थात् है, परन्तु द्रव्य से अधिक अर्थात् है

(c) ईश्वर तीनों द्रव्यों में से एक है, अन्य दो द्रव्य पुद्गल एवं मन हैं, तीनों समान परम अर्थात् हैं

(d) जबकि पुद्गल और मन ईश्वर द्वारा सृजित हैं, पुद्गल का सृजन आकस्मिक है, किन्तु मन का सृजन एक अनिवार्यता है।

(18) मन-द्वैत में शेष करने के लिए डेकार्ट ने निम्नलिखित में से कौन-से एक तर्क का प्रयोग नहीं किया है?

(a) अपने शरीर के अस्तित्व के बारे में तो मैं संशय कर सकता हूँ, परन्तु मैं अपने स्वयं के अस्तित्व के बारे में संशय नहीं कर सकता।

(b) अपने बारे में मुझमें यह सुस्पष्ट और सुनिश्चित विचार है कि मैं एक ऐसी विषय-वस्तु हूँ, जो विचारशील है

(c) मैं स्पष्ट रूप से यह जानता हूँ कि मन अविभाज्य है, जबकि भौतिक वस्तुएँ विभाज्य हैं

(d) मैं अपने शरीर से भिन्न हूँ, क्योंकि मैं अपने शरीर में उसी प्रकार स्थित हूँ, जैसे नाव में नाविक उपस्थित रहता है।

Scanned with CamScanner

(19). डेकार्ट ईश्वर की धारणा एक ..... के रूप में करता है।
(a) सापेक्ष द्रव्य (b) निरपेक्ष द्रव्य (c) 'a' और 'b' दोनों (d) निर्गुणवाद

(20). डेकार्ट की जगत विषयक अवधारणा अनुरूप है
(a) गति के संरक्षण नियम के (b) पर्याप्त कारण नियम के
(c) प्रकृति संरक्षण नियम के (d) आनन्तर्य नियम के

(21) डेकार्ट द्वारा जगत् के अस्तित्व को स्वीकार करने के लिए निम्नलिखित में से कौन-सा एक निर्णायक आधार है?
(a) प्रत्यय का साफ एवं सुस्पष्ट होना
(b) आन्तबोंध चेतना
(c) ईश्वर की सत्यवादिता
(d) प्रदर्शनात्मक बोध

(22). डेकार्ट के अनुसार विचार कीजिए-
ईश्वर की सत्ता अनिवार्यतः है, क्योंकि ईश्वर हमारे मन में विद्यमान पूर्ण सत्ता के विचार का कारण है-
(a) ईश्वर के अस्तित्व के लिए कारणतामूलक युक्ति (b) ईश्वर के अस्तित्व के लिए सत्तामूलक युक्ति
(c) ईश्वर के अस्तित्व के लिए प्रयोजनमूलक युक्ति (d) ईश्वर के अस्तित्व के लिए सृष्टिमूलक युक्ति

(23). निम्नलिखित में से किसका प्रतिपादन डेकार्ट द्वारा किया गया?
(a) ज्ञानमीमांसीय अद्वैतवाद एवं तत्वमीमांसीय द्वैतवाद
(b) ज्ञानमीमांसीय द्वैतवाद एवं तत्वमीमांसीय अद्वैतवाद
(c) ज्ञानमीमांसीय अद्वैतवाद एवं तत्वमीमांसीय अद्वैतवाद
(d) ज्ञानमीमांसीय द्वैतवाद एवं तत्वमीमांसीय द्वैतवाद

(24) डेकार्ट के अनुसार "मैं सोचता हूँ इसलिए मैं हूँ" से सिद्ध होता है
(a) मैं आत्मा हूँ (b) मैं आध्यात्मिक द्रव्य हूँ
(c) मैं सोचता हूँ (d) मैं हूँ

Scanned with CamScanner

उत्तर

(1) b	(2) c	(3) a	(4) d	(5) c	(6) a	(7) a	(8) a	(9) c	(10) d
(11) a	(12) c	(13) b	(14) b	(15) b	(16) a	(17) a	(18) c	(19) b	(20) a
(21) c	(22) a	(23) d	(24) a						

Scanned with CamScanner